CINEMA

ITTEFAQ

फन 10:10, 11:00, 03:40, 05:05, 07:15, 09:10, 10:05. **पीवीआर** 10:00, 12:30, 03:00, 05:30, 08:00, 10:30. **सिनेपॉलिस** 10:10, 11:10, 12:40, 03:05, 05:30, 06:40, 07:55, 10:20. **मुक्ता A2** 10:00, 11:30, 01:45, 04:00, 06:15, 07:30, 08:30, 09:30, 10:45. **आयनॉक्स** 09:10, 10:10, 12:35, 03:00, 05:25, 07:50, 10:15. **ज्योति** 12:00, 03:00, 06:00, 09:00. **राजबिग-2** 12:00, 03:00,06:00, 09:00.

GOLMAAL AGAIN

फन 10:20, 12:35, 03:55, 06:05, 09:55. **पीवीआर** 10:15 04:25, 10:00. **डीडीएक्स** 10:15, 04:00, 07:00, 10:00. **सिनेपॉलिस** 09:30, 12:40, 03:50, 07:00, 10:10. **मुक्ता A2** 10:00, 01:00, 04:00, 07:00, 10:00. **आयनॉक्स** 09:40, 12:45, 03:50, 06:55, 10:00. **भारत** 06:00, 09:00. **रंभा** 12:15, 03:15, 06:15, 09:15. **रंगमहल** 12:00, 03:00, 06:00, 09:00. **अल्पना** 12:15, 03:15, 06:15, 09:15.

RIBBON

फन 01:25, 07:30. **पीवीआर** 07:30. **सिनेपॉलिस** 04:15, 09:05. **आयनॉक्स** 05:10, 10:30.

SECRET SUPERSTAR

फन 02:00, 07:00. **पीवीआर** 01:20. **डीडीएक्स** 01:00, 05:30. **सिनेपॉलिस** 10:20, 04:20, 10:20. **मुक्ता A2** 12:00, 02:45. **आयनॉक्स** 11:30, 07:30.

THOR : RAGNAROK 3D (H)

फन 09:00, 10:00, 11:45, 12:45, 03:30, 05:15, 08:00, 09:00, 10:45. **सिनेपॉलिस** 09:00, 11:00, 11:45, 01:45, 02:30, 04:30, 05:15, 07:15, 08:00, 10:00. **मुक्ता A2** 10:15, 12:45, 03:15, 05:45, 08:15, 10:45. **आयनॉक्स** 10:25, 01:15, 04:05, 09:45. **संगम** 12:15, 03:15, 06:15, 09:15.

THOR : RAGNAROK 2D (H)

फन 07:00. **सिनेपॉलिस** 06:35, 09:15. **पीवीआर** 09:00, 11:30, 02:15, 07:45. **आयनॉक्स** 09:00, 11:40, 02:20, 05:00, 07:45, 10:30. **डीडीएक्स** 10:00, 12:30, 03:00, 08:10, 10:30. **संगीत** 12:00, 03:00, 06:00, 09:00. **राज** 12:15, 03:15, 06:15, 09:15.

THOR : RAGNAROK 3D (E)

फन 11:00, 01:45. 02:30, 04:30, 06:15, 10:00. **सिनेपॉलिस** 10:00, 12:45, 01:45, 03:30, 06:15, 09:00, 10:45. **आयनॉक्स** 06:55.

THOR : RAGNAROK 2D (E) **पीवीआर** 05:00, 10:30.

जनजातीय समाज के लोग अपने घरों के बाहर मुखौटा लगाकर दूर करते हैं परेशानियां

जनजातीय संग्रहालय में चल रही मुखौटा कार्यशाला में कलाकार मुखौटों के निर्माण के साथ विजिटर्स को बता रहे इनके पीछे का महत्व और कहानियां भी

Exhibition In City

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

जनजातीय संग्रहालय में आयोजित मुखौटा कार्यशाला में इन दिनों जनजातीय कलाकार देवी देवता और राजा रानी के मुखौटों को आकार दे रहे है। आम, खमार, सागौन की लकड़ियों से आदिवासी परंपरा के आधार पर बनाएं जा रहे विभिन्न प्रकार के मुखौटों को अपने घर के बहार दिवार पर लगाने से घर बुरी नजर से बचता है आने वाली हर परेशानी भी टल जाती है। इस कार्यशाला में अनुपपुर, अलिराजपुर एवं डिंडौर से आए कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रकार के मुखौटे बनाएं जा रहे थे। आदिवासी संस्कृति एवं परंपरा में माना जाता है कि यह मुखौटा बहुत ही विशेष होता है। सभी आदिवासी के घर के बाहर मुखौटा अवश्य लगा हुआ होता है। मुखौटे को घर की बाहर दिवार पर लगाने से आने वाली सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। ऐसा माना जाता है कि इसमें एक अलग ही प्रकार की शक्ति होती है जो आपके रूके हुए कामों को पूरा कर देती है साथ ही आपके घर के वातावरण को खुशहाल बना देती है।

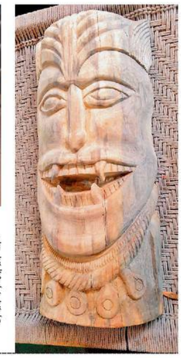

7 घंटे में तैयार होता है मुखौटा

शिव ने बताया कि सबसे पहले लकड़ी के गोल लट्ठे को बीच से काटकर दो हिस्से में बांट देते हैं। इसके बाद लकड़ी पर पेंसिल या चॉक से मुखौटे की आकृति बनाते हैं फिर बिंधना और वसूली जैसे औजारों की मदद से मुखौटे की शेप में कार्विंग करते हैं। बाद में शेप बनने के बाद उस पर रेगमाल पेपर से घिसाई कर फिनिशिंग देते हैं। एक मुखौटा बनाने में करीब 6 से 7 घंटे का वक्त लगता है।

माय एफएम रंगरेज़ सीजन 4 के रजिस्ट्रेशन शुरू

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

पिछले साल शहर के 10 हजार बच्चों ने गो ग्रीन थीम पर अपनी कल्पनाओं को उकेरा था, जिसमे से 12 खूबसूरत पेंटिंग्स न केवल 94.3 माय एफएम के वार्षिक कैलेंडर में छापी थी बल्कि भोपाल में बांटी भी थी। इस साल भी 94.3 माय एफएम ने फिर स्कूल के बच्चो के इस कॉम्पिटीशन का आयोजन किया है। इस साल रंगरेज सीजन 4 की थीम होगी "इनक्रेडेबल मध्य प्रदेश"। इस साल माय एफएम के आरजेस कई स्कूल्स में विजिट कर बच्चों की सोच और उनकी कलात्मकता का जायजा लेंगे। थीम पर बनाई गई बेस्ट 12 पेंटिंग्स, माय एफएम के वार्षिक कैलेंडर का हिस्सा बनेगी। रंगरेज़ सीजन 4 के रजिस्ट्रेशंस खुल गए हैं। स्कूल इसमें रजिस्टर करवाना चाहते हैं, तो टाइप करें RANGREZZ स्पेस स्कूल का नाम और व्हाट्सएप कीजिये 7771 943 943 पर।

Upcoming Event

5 दिवसीय 'बालेंद्र प्रसंग' महोत्सव 9 दिसंबर से

सिटी रिपोर्टर | 9 दिसंबर से 13 दिसंबर तक बालेंद्र प्रसंग नाट्य उत्सव का आयोजन जाएगा। हम थिएटर ग्रुप अपने बीसवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस मौके पर नृत्य अमरोह का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत इन 29 सालों में हम थियेटर की ओर से प्रस्तुत किये गए 5 बेस्ट नाटकों का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर बालेंद्र सिंह निर्देशित नाटकों पर 'बालेंद्र प्रसंग' का आयोजन शहीद भवन में किया जाएगा। जिसमें 9 दिसंबर को नाटक पन्ना धाय का मंचन सचिन सेन गुप्त के निर्देशन में होगा। 10 दिसंबर को मुद्राराक्षस के निर्देशन में नाटक डाकू, 11 दिसंबर को विष्णु प्रभाकर के निर्देशन में नाटक अशोक सम्राट का और 12 दिसंबर को नाटक बसंत बहार का मंचन मनोज सुल्तानपुरी के निर्देशन में होगा। समारोह का समापन 13 दिसंबर को नाटक लाला हरदौल से होगा जिसका निर्देशन कोमल कल्याण जैन

बच्चे सही भाषा बोलें और लिखें इसके लिए उनके बीच कराई गई प्रतियोगिता

टीएसवीएस में हुआ स्पेल-ओ-फन इंट्रा स्कूल स्पेलिंग कॉम्पिटीशन

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

द संस्कार वैली स्कूल में स्पेल-ओ-फन इंट्रा स्कूल स्पेलिंग कॉम्पिटीशन का आयोजन किया गया। यह आयोजन इसलिए किया गया ताकि स्टूडेंट्स मौखिक और लिखित रूप में सही स्पेलिंग लिखने की दक्षता हासिल कर पाएं। यह कॉम्पिटीशन इस तरह डिजाइन किया गया कि स्टूडेंट्स अपनी लर्निंग प्रोसेस और वर्तमान स्किल्स के बीच के अंतर को सुधार सकें। इस कॉम्पिटीशन का उत्साह स्पेल-बी से कम नहीं था। तमाम राउंड्स के बाद 24 स्टूडेंट्स फाइनल राउंड के लिए चयनित हुए, जिसमें ग्रेड-2 और ग्रेड 3 के स्टूडेंट्स शामिल रहे। इस कॉम्पिटीशन में श्रेया कुलश्रेष्ठ, अनुराधा दरबारी, हार्दिकशा प्रधान और टेसा रोज विजेता रहे।

कॉम्पिटीशन में बेहतर प्रदर्शन कर यह स्टूडेंट्स बने विनर्स।

हिंदी भवन में काव्यगोष्ठी का आयोजन

सिटी रिपोर्टर | हिंदी भवन में कला मंदिर संस्था द्वारा दीपोत्सव कार्यक्रम में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में डॉ. गौरीश ने तोरे बिना लगता नहीं मोरा जिया, ओर पिया ओ पिया..., पंवार राजस्थानी ने शहीदों के लिए कहा, जब शहीदों से टपकता है, शहीदों का लहू, रोशनी दीपावली से कम नहीं होती..., शायर मुश्ताक अहमद ने जागती आंखों से रंगीन ख्वाब मत देखा करों, इश्क करना है, तो फिर आदाब मत देखा करों। इस अवसर पर डॉ.एडी खरे, कमलेश वर्मा, आशीष गुप्ता, बिहारीलाल अनुज, सुशील गुरू, अनुराधा पांडे ने रचनाओं का पाठ किया।

जिस बात पर पिता ने की थी पिटाई बाद में उसी ने पहचान दिलाई

फिल्म समीक्षक और लेखक अजित राय ने बातचीत में बताया

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

मैं फिल्में देखता था तो डायरी में लिख लेता था। जब कक्षा 10वीं में था, एग्जाम के बीच की छुट्टियों में फिल्म देखने चला गया। तब मैंने 1000वीं फिल्म देखी थी, जिसे मैंने डायरी में नोट कर लिया। यह डायरी मेरे पिता के हाथ लग गई और उन्होंने मुझे बहुत मारा। भारतीय समाज में कहा जाता है कि फिल्में बच्चों को बिगाड़ती हैं। 2013 में कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर चलते हुए मेरी आंखों में आंसू थे कि जिस बात के लिए मेरी पिटाई हुई थी, उसी पैशन के कारण आज मैं इस रेड कार्पेट पर पहुंच गया। यह कहना है जाने माने फिल्म समीक्षक और लेखक अजित राय का। वे सोमवार को भोपाल पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने सिटी भास्कर से बातचीत की।

इन दिनों हिंदुजा परिवार पर लिख रहा हूं किताब

मैं हिंदुजा परिवार पर किताब लिखने जा रहा हूं। हिंदुजा परिवार का भारतीय सिनेमा से क्या रिश्ता है। हिंदुजा ने ही पहली बार विदेश में भारतीय फिल्म को रिलीज करवाया था, वो फिल्म संगम थी। लंदन में इस फिल्म के चार शो दिखाने के लिए उन्होंने एक फिल्म ऑनर से बात की, लेकिन उसने मना कर दिया। हिंदुजा ने उसे दो हफ्ते का एडवांस पेमेंट किया और फिर यह फिल्म लंदन में दो हफ्ते तक हाउसफुल चली।

भावुक न हों फिल्म पत्रकार

फिल्म पत्रकारिता और समूचे मीडिया को हिंदी फिल्मों में अच्छी छवि के साथ नहीं दिखाया जाता। क्योंकि मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में मीडिया के प्रति मानसिकता ही ऐसी है। फिल्म या टीवी पत्रकारिता अपने आप में बड़ा विषय है। फिल्मी पत्रकारिता में जो खबरें आप देखते हैं वो कैसे बनती हैं, असली हैं या नकली यह जानना व सीखना जरूरी है। फिल्म पत्रकारिता में भावुकता की कोई आवश्यकता नहीं है। फिल्म पत्रकार को निर्मम होना चाहिए।

@ Film Show

द्वितीय रक्षा पंक्ति के रूप में देशसेवा के द्वार हमेशा ही खुले हैं

सिटी रिपोर्टर | भारतीय सेनाएं देश की प्रथम सुरक्षा पंक्ति है। इसमें प्रशिक्षित, कुशल और अनुभवी सैनिक ही सेवाएं देने के योग्य होते हैं। लेकिन द्वितीय रक्षा पंक्ति के रूप में आम नागरिक जिनमें देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा होता है वे इसमें अपना योगदान दे सकते हैं। आपातकाल में या किसी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर सेनाएं इन्हें काम करने का अवसर प्रदान करती हैं। प्रादेशिक सेना की सेवाएं भारतीय सेना को प्रदान करने के उद्देश्य से टेरिटोरियल आर्मी का गठन किया जाता है। कुछ विशेष अवसरों पर आवश्यकता अनुसार टेरीटोरियल आर्मी में भर्ती होकर मातृभूमि की सेवा हर सुयोग्य नागरिक कर सकते हैं। कुछ यही संदेश दिया गया फिल्म 'ॲवर टेरिटोरियल आर्मी' के जरिये, जिसका प्रदर्शन स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा शौर्य स्मारक स्थित मुक्ताकाश मंच पर सोमवार शाम को किया गया। सैन्य फिल्मों की शृंखला में मंगलवार को ए. भास्कर राव के निर्देशन में शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम 6 बजे से सैन्य फिल्म मेन बिहाइंड द विंग्स का प्रदर्शन किया जाएगा।

बांधो न नाव इस ठांव बंधु, पूछेगा सारा गांव बंधु

स्वराज भवन में निराला सृजनपीठ की ओर से हुआ रचना पाठ का आयोजन, विविध विषयों पर सुनाई गईं रचनाएं

कार्यक्रम में रचनाकारों ने कविताओं का पाठ भी किया।

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

निराला सृजन पीठ द्वारा सोमवार को स्वराज भवन में तिलक शृंखला के तहत रचना पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर रचनाकार डॉ. क्षमा पांडे ने अपनी रचना का पाठ किया। उन्होंने दीपावली की शुभकामनाएं देती कविता मन तरंगित... का पाठ किया। इसके बाद उन्होंने शोध संबंधी कार्य के लिए की गई जर्मनी यात्रा का संस्मरण सुनाया। इसमें उन्होंने भारत और जर्मनी के बीच की सांस्कृतिक समानताएं उन्होंने साझा कीं। इसके बाद उन्होंने कविता बेटी का लयबद्ध तरीके से पाठ किया। उनकी कविता पाठ की इस शैली को श्रोताओं ने सराहा। दूसरे चरण में रचनाकार गोकुल सोनी ने अपनी लघु कथाएं व कहानियों में गुंडा कौन, सहारा, कूटनीति, मां, मोबाइल, दर्द, पुराना मकान का पाठ किया। इसके बाद उन्होंने हास्य व्यंग्य क्षणिकाएं ससुर, अर्थ, भाईचारा, मतवाले, परंपरा, तुलसी बाबा एक सवाल और बापू दुखी हैं, सुनाई। इस मौके पर युवा कवि विनीत सराठे पार्थ ने सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता का पाठ किया। उन्होंने बांधो न नाव इस ठांव, बंधु, पूछेगा सारा गांव, बंधु, यह घाट वही जिस पर हंसकर, वह कभी नहाती थी धंसकर, आंखें रह जाती थीं फंसकर, कंपते थे दोनों पांव बंधु... सुनाई।

रोटरी क्लब सदस्यों ने 500 से ज्यादा जरूरतमंदों को बांटे कपड़े और खिलौने

सिटी रिपोर्टर | रोटरी क्लब ईस्ट ने रोटरेक्ट क्लब, मैनिट के सहयोग से नेहरू नगर स्थित आईआईएफएम के निकट बनी झुग्गी बस्तियों में जाकर वहां के लगभग 500 जरूरतमंद रहवासियों को कपड़े व खिलौने वितरित किए। क्लब द्वारा अभियान चलाकर पेंट, शर्ट, साड़ियां आदि दान में प्राप्त कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे जरूरतमंदों को इनका वितरण किया जाता है। इस अवसर पर रोटरी क्लब ईस्ट, भोपाल के अध्यक्ष विष्णु खन्ना सहित क्लब कार्यकारिणी पदाधिकारी अल्पना मिश्रा, रवीन्द्र तिवारी, नदीम अनवर आदि उपस्थित रहे।

INOX	Fun / Cinepolis	Cinépolis	PVR Cinemas	Mukta A2 Cinemas
9.40am,2.45 3.50,6.55,10.00	10.20,12.35 3.55,6.05,9.55	9.30am,12.40 3.50,7.00,10.10	10.15am 4.25,10.00	10.00am,1.00 4.00,7.00,10.00
DDX Cinema	रंगमहल	अल्पना	भारत	रम्भा
10.15,4.00 7.00,10.00	12.00,3.00 6.00,9.00	12.15,3.15 6.15,9.15	12.15,3.15 6.15,9.15	12.15,3.15 6.15,9.15

लिसा सिहोर, मनोहर विदिशा, मुस्कान गंजबासौदा में

इस शुक्रवार से आपके नजदीकी सिनेमाघरो में

A SOHAM ROCKSTAR ENTERTAINMENT WORLDWIDE RELEASE
PARAS

CITY PLUS

मेड ईजी में 9 नवंबर से प्रवेश प्रारंभ

भोपाल | गेट, आईईएस, ईएसई जैसी कठिन प्रतियोगी इंजीनियरिंग परीक्षाओं में सफलता के पर्याय बन चुके देश के टॉप कोचिंग इंस्टीट्यूट मेड ईजी ने हजारों स्टूडेंट्स के भविष्य को संवारा है और सफलता की यह उड़ान बदस्तूर नई ऊंचाईयों की ओर अग्रसर है। इस उड़ान में इच्छुक छात्रों के लिए संस्था में 9 नवंबर से प्रवेश प्रारंभ हो रहे हैं। 9 से 13 नवंबर तक एडमिशन लेने पर रु. 3000 का स्पेशल डिस्काउंट छात्रों को दिया जा रहा है। इसके अलावा संस्था में नए बैचेस 16 जनवरी, 2018 से शुरू हो रहे हैं। संस्था के सीएमडी बी सिंह ने बताया कि संस्था विगत वर्षों में निश्चित सफलता का पर्याय बन चुकी है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण वर्ष 2017 की ईएसई परीक्षा है, जिसमें मेड ईजी के छात्रों ने पिछले वर्षों की तरह इस बार भी कीर्तिमान बनाया। इस परीक्षा में मेड ईजी के 4 स्टूडेंट्स ने तो 4 स्ट्रीम्स में टॉप करने के साथ टॉप 40 स्थानों में से 40 स्थानों पर मेड ईजी के छात्रों का वर्चस्व बरकरार रहा। ज्ञात हो कि संस्था में छात्रों को पाठ्यक्रम की सही तरीके से योजनाबद्ध प्लानिंग करना सीखाया जाता है। इसके परीक्षा की तैयारी में होने वाले तनावा को काबू करना, मॉक टेस्ट, नाट्स बनाना, रीविजन आदि पर जरूरी टिप्स दिए जाते हैं। संस्था द्वारा समय-समय पर छात्रों के लिए सेमिनार्स आयोजित किए जाते हैं, जिनमें प्राप्त सारगर्भित गहन मार्गदर्शन के चलते छात्र सुनिश्चित ही सफलता का परचम लहराते हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियों और खेल में अनुशासन के साथ भाग लेने का दिन है कबिंग-डे

स्काउट्स के लिए कैंपियन स्कूल में हुआ कबिंग-डे कैंप, प्रायमरी सेक्शन के बच्चों ने लिया हिस्सा

@ School Event

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

कैंपियन स्कूल अरेरा कॉलोनी में कबिंग-डे कैंप का आयोजन किया गया। इसमें प्रायमरी सेक्शन के सैकड़ों स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। सबसे पहले सभी स्काउट कब्स ने अनुशासित तरीके से स्काउट ध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम की शृंखला में विभिन्न खेल, चार्ट मेकिंग, मास्क मेकिंग, बटन लगाओ, लिफाफा बनाओ व विभिन्न सांस्कृतिक गीत-संगीत व नृत्यों की कार्यक्रमों में शानदार प्रस्तुति दी गई। साथ ही स्काउट्स ने कव्वाली, अंताक्षरी, सांस्कृतिक व वेस्टर्न डांस गतिविधियों में भी भाग लिया।

गौरतलब है कि कबिंग डे कैंप स्काउट का विभिन्न गतिविधियों, खेलों, प्रतियोगिताओं में भाग लेने व मौज-मस्ती को अनुशासन के एक रूप में मनाने का दिन है। कार्यक्रम के अंत में सिस्टर प्रमिला एसी ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन सुकति केकरे द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान कव्वाली पेश करते स्टूडेंट्स।